अनुलग्नक -ब

हिन्दी पाठ्यक्रम - 'ब'

2012-2013

(कोड सं-085)

कक्षा - 10

संकलित परीक्षा II (एस ए- II) हेतु भार विभाजन (अक्टूबर-मार्च)		कुल भार %
विषय वस्तु	अंक	
अपठित बोध	20	30%
व्यवहारिक व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक पाठ्यपुस्तकों से मूल्य परक प्रश्न *	36 04 — 40	
लेखन	10	
रचनात्मक परीक्षा (एफ ए-3 व एफ ए-4)		20%
कुल भार		50%

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

टिप्पणी:

1 संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा रचनात्मक परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। रचनात्मक परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग (संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत रचनात्मक मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा। इसमें बोलने, सुनने लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित परीक्षण किया जा सकता है।

2 **संकलित परीक्षा I (एस ए- I) 90 अंक की होगी।** 90 अंक को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंक में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा **संकलित परीक्षा II (एस ए- II) 90 अंक की होगी व** 90 अंक का मूल्यांकन के पश्चात 30 अंक मे से परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	विभाग	अंक	कुल अंक
क	1. अपठित गद्यांश-बोध (दो) 2. अपठित काव्यांश बोध (दो)	1 × 5 = 5 1 × 5 = 5 1 × 5 = 5 1 × 5 = 5	20
ख	व्याकरण	5 × 4 = 20	20
ग	पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग -2 पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग-2	30 10	40 (36+4)
घ.	लेखन	10	10
	कुल अंक		**90**

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

कक्षा दसवीं हिन्दी 'ब' संकलित परीक्षाओं हेतु परीक्षा विनिर्देशन 2011–2013

खण्ड–क : अपठित बोध

प्रश्न संख्या 1–4 **(20 अंक)**

- दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)
- दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)

उपर्युक्त गद्यांश व काव्यांश का शीर्षक का चुनाव, विषय–वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **चार प्रश्न** पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न के **पाँच बहुवैकल्पिक भाग** होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा।

खण्ड–ख: व्यवहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5–9 **(20 अंक)**

निर्धारित विषयों पर विषय–वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **पाँच प्रश्न** पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न अतिलघुउत्तरीय प्रकार का होगा, जिनका कुल भार 20 अंक होगा।

खण्ड–ग: पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग–2 व पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग –2

प्रश्न संख्या 10–16* **(40 अंक)**

प्रश्न संख्या 10:

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित पाठों में से कोई दो पद्यांश दिए जाएँगे तथा इन पर विषय–वस्तु बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **पाँच बहुवैकल्पिक** प्रश्न पूछे जाएँगे तथा प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न का एक अंक होगा। छात्रों को कोई एक पद्यांश करना होगा।

(5 अंक)

प्रश्न संख्या 11:

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के गद्य पाठों के आधार पर तीन लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार छह अंको का होगा (3+3)। छात्रों को कोई दो प्रश्न करने होंगे। ये प्रश्न छात्रों की साहित्य को पढ़कर समझ पाने की क्षमता के आकलन पर आधारित होंगे। **(6 अंक)**

प्रश्न संख्या 12

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित पाठों (गद्य) पर पाँच अंक का एक निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा **(विकल्प सहित)**। यह प्रश्न छात्रों की हिंदी के माध्यम से अपने अनुभव को लिखकर सहज अभिव्यक्ति कर पाने की क्षमता का आकलन करने पर आधारित होगा। **(5 अंक)**

प्रश्न संख्या 13

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के निर्धारित पाठों (गद्य) में से दो गद्यांश दिए जाएँगे तथा इस में से छात्रों को कोई एक करना होगां इस पर तीन या चार लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार पाँच अंक होगा। यह प्रश्न हिंदी गद्य के संदर्भ में विषय तथा अर्थबोध की क्षमता का आकलन करने पर केंद्रित होंगे। **(5 अंक)**

प्रश्न संख्या 14

पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श' के काव्य पाठों के आधार पर चार लघुउत्तरीय प्रश्नों में से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। इन प्रश्नों का कुल भार नौ अंक होगा (3+3+3)। ये प्रश्न कविताआं के विषय, काव्य बोध, अर्थ बोध व सराहना को सरल शब्दों में अभिव्यक्त करने की क्षमता पर आधारित होंगे।

(9 अंक)

प्रश्न संख्या 15

पूरक पुस्तक 'संचयन' के निर्धारित पाठों में से तीन प्रश्न देकर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूछे जाएँगे। इन प्रश्नां का कुल भार छह (3+3) अंक होगा। ये प्रश्न पाठ की समझ व उनकी सहज अभिव्यक्ति की क्षमता पर आधारित होंगे। **(6 अंक)**

प्रश्न संख्या 16*

पूरक पुस्तिका के निर्धारित पाठों में से एक मूल्य परक प्रश्न पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार चार अंक होगा, ये छात्रों के मूल्य आधारित चिंतन, निष्कर्ष और अनुभवों व उनकी संवदेनशीलता को परखने के लिए होगा। **(4 अंक)**

खण्ड –घ : लेखन

प्रश्न संख्या 17–18 **(10 अंक)**

प्रश्न संख्या 17

इस प्रश्न में संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक विषयों एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर 80 से 100 शब्दों मे के तीन में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा। यह अनुच्छेद विभिन्न विषयों और संदर्भो पर छात्रों के तर्कसंगत विचार पकट करने की क्षमता को परखने के लिए होंगे।

(5 अंक)

प्रश्न संख्या–18

इस प्रश्न में किन्हीं दो औपचारिक विषयां में से किसी एक विषय पर पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित होगा ।

(5 अंक)

कक्षा दसवीं हिन्दी 'ब'–संकलित एवं रचनात्मक परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन

क्रम	**पाठ्य पुस्तक सं.**	**द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)**		
		FA3 10	**FA4 10**	**SA II 30**
खण्ड क				
1	अपठित गद्यांश			√
2	अपठित काव्यांश			√
खण्ड ख				
1	पदबंध (2 अंक)	√		√
2	पद परिचय (3 अंक)		√	√

3	मिश्र व संयुक्त वाक्य : वाक्यों का रूपांतरण (3 अंक)	√		√
4	स्वर संधि (3 अंक)		√	√
5	तत्पुरुष व कर्मधारय समास (एस ए-1 में 3 अंक) (एस ए-2 में 2 अंक)	√		√
6	मुहावरे व लोकोक्तियों का वाक्य में प्रयोग (पाठ्यपुस्तक के आधार पर 4 अंक)	√	√	√
7	अशुद्ध वाक्यों का शोधन (3 अंक)		√	√
खण्ड ग				
स्पर्श (गद्य)		**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	गिरगिट	√		√
2	अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले	√		√
3	पतझड़ में टूटी पत्तियाँ		√	√
4	कारतूस		√	√
स्पर्श (पद्य)		**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	बिहारी के दोहे	√		√
2	मनुष्यता	√		√
3	मधुर-मधुर मेरे दीपक जल	√		√
4	कर चले हम फिदा		√	√
5	आत्मत्राण		√	√
संचयन		**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	सपनों के से दिन	√		√
2	टोपी शुक्ला		√	√
खण्ड घ				
1	पत्र लेखन	√		√
2	अनुच्छेद लेखन		√	√

पुस्तकें

1. पाठ्य पुस्तक स्पर्श भाग -2
2. पूरक पुस्तक संचयन भाग -2

टिप्पणी:

1. रचनात्मक मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकते हैं।

2. रचनात्मक मूल्यांकन से संबंधित सभी कार्यकलाप जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Roleplay), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि कक्षा में अथवा विद्यालय में करवाये जाने वाले कार्यकलाप हैं। यदि कोई ऐसा कार्यकलाप है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षिका / शिक्षक के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।

हिन्दी पाठ्यक्रम–'ब'

2012-2013

कोड संख्या (085)

कक्षा–दसवीं

संकलित परीक्षा II

भार विभाजन

खण्ड	विभाग	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
क.	अपठित बोध				
	1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवैकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
	2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवैकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
					20
ख.	व्यावहारिक व्याकरण				
	पद बंध पद परिचय	अतिलघुउत्तरीय	2 3	1×2=2 1×3=3	5
	वाक्यों का रुपांतरण (मिश्र संयुक्त) अशुद्धवाक्य शोधन	अतिलघुउत्तरीय	3 3	1×3=3 1×3=3	6
	स्वर संधि	अतिलघुउत्तरीय	3	1×3=3	3
	समास (तत्पुरुष, कर्मधारय)	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	2
	मुहावरे, लोकोक्ति	अतिलघुउत्तरीय	4	1×4=4	4
					20
ग.	पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक				
	पाठ्यपुस्तक– स्पर्श भाग–2 दो पठित गद्यांश (100 से 150 शब्द) में से एक	बहुवैकल्पिक	5	1×5=5	5

	गद्य पर आधारित (तीन में से दो)	लघुउत्तरीय II	2	3×2=6	6
	गद्य पर आधारित प्रश्न (दो में से एक)	निबंधात्मक	1	5×1=5	5
	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	लघुउत्तरीय I	2	2×2=4	4
	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	अतिलघुउत्तरीय	1	1×1=1	1
	पाठ (कविताओं) के आधार पर प्रश्न	लघुउत्तरीय II	3	3×3=9	9
					30
	पूरकपाठ्यपुस्तक – संचयन भाग–2*				
	पाठ के आधार पर प्रश्न (तीन मं से दो)	लघुउत्तरीय II	2	3×2=6	6
	पाठ के आधार पर **मूल्यपरक प्रश्न ***	निबंधात्मक I	1	4×1=4	4
					10
घ.	**लेखन**				
	80 से 100 शब्दों में **तीन** में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद	निबंधात्मक II	1	5×1=5	5
	औपचारिक/ अनौपचारिक विषयों में से किसी दो में से एक विषय पर पत्र	निबंधात्मक II	1	5×1=5	5
					10
	कुल अंक				**90**

प्रश्न पत्र में 3–5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

रुपरेखा

Expected Answer उत्तर परिधि	**Marks per Question** प्रति प्रश्न अंक	**Total No. of Questions** कुल प्रश्न संख्या	**Total Marks** कुल अंक
MCQ बहुकैल्पिक प्रश्न	1	25	25
VSA अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	1	21	21
SA 1 लघूत्तरात्मक प्रश्न I	2	2	4
SA 2 लघूत्तरात्मक प्रश्न II	3	7	21
LA 1* निबन्धात्मक प्रश्न I*	4	1	4
LA 2 निबन्धात्मक प्रश्न	5	3	15
			90

नमूना प्रश्न

हिन्दी पाठ्यक्रम – 'ब'

(कोड सं-085)

कक्षा – 10

खंड – 'क'

बहुवैकल्पिक प्रश्न

अपठित गद्यांश

प्रश्न1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए– (1×5=5 अंक)

अच्छे या बुरे का निर्माण हम स्वयं करते हैं। हमारे आपके ही संकल्प दूसरों के संकल्पों से टकराकर तदनुसार वातावरण बनाने के लिए होते हैं। हमें सदैव शुभ संकल्प ही करने चाहिए। यजुर्वेद के एक मंत्र में यही प्रार्थना की गई है कि मेरे मन के संकल्प 'भद्रं भद्रं न आभर' – हे प्रभो! हमें बराबर कल्याण को प्राप्त कराइए। यहाँ कल्याण शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में हुआ है। केवल भौतिक संसाधनों की उपलब्धि ही नहीं वरन् परमार्थिक सत्य की सिद्धि ही सच्चे अर्थों से कल्याण है। संत सभा के सेवन तथा हरि-गुन-गायन से ही इसकी उपलब्धि संभव है। सफलता के लिए केवल संकल्प ही पर्याप्त नहीं है, तदनुरूप आचरण एक ऐसे दर्पण के सदृश है, जिसमें हर मनुष्य को अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है। मनुष्य के कर्म ही उसके विचारों की सबसे अच्छी व्याख्या है। हम जिस व्यक्ति की कामना करते हैं, उसी से हमारे कर्म की उत्पत्ति है। 'गीता में कर्म की व्याख्या के रूप में कहा गया है कि इस प्रकृति में जो कुछ भी परिवर्तित होता है वह सब 'क्रिया' है और क्रियाओं का पुंज पदार्थ है। वे ही कर्म चाहे कायिक हों या वाचिक अथवा मानसिक इष्ट, अनिष्ट तथा मिश्रित फल देने वाले होते हैं। उन कर्मों में करने के जो भाव हैं, व कर्ता में ही रहते हैं। ये 'कर्म' और 'भाव' शुभ और अशुभ दोनों होते हैं। शुभ कर्म और भाव, मुक्ति देने वाले तथा अशुभ कर्म और भाव, पतन करने वाले होते हैं।

(i) मनुष्य के विचारों की सबसे अच्छी व्याख्या करते हैं –

(क) मनुष्य के कर्म

(ख) मनुष्य के अपने विचार और उनका प्रकटीकरण

(ग) मनुष्य द्वारा अध्ययन की जाने वाली पुस्तकें

(घ) मनुष्य का अपना व्यवहार।

(ii) जिसमें हर मनुष्य को अपना प्रतिबिंब दिखाई देता है वह है-

(क) दर्पण

(ख) स्वच्छ, निर्मल जल वाला तालाब, जिसमें प्रतिबिंब दिखाई देता है।

(ग) मनुष्य का अपना आचरण

(घ) संत-सभा और हरि गुणगान।

(iii) कल्याण का व्यापक अर्थ है-

(क) भौतिक संसाधनों की उपलब्धि ही परम कल्याण है

(ख) भौतिक संसाधनों की उपलब्धि ही नहीं परमार्थिक सत्य की सिद्धि ही परम कल्याण है।

(ग) भौतिक-सुख के अभाव में परम कल्याण की बात सोचना अज्ञानता है।

(घ) कल्याण तो आत्मिक सुख से संबंध रखता है, वह भौतिक भी और अभौतिक भी।

(iv) गीता के अनुसार कायिक, वाचिक, मानसिक कर्म - तीनों ही फल देने वाले होते हैं -

(क) इष्ट और शुभ

(ख) इष्ट, अनिष्ट और अशुभ

(ग) इष्ट, अनिष्ट, मिश्रित तीनों फल देने वाले होते हैं।

(घ) केवल शारीरिक और मानसिक फल दे सकते हैं।

(v) उक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है -

(क) अच्छे-बुरे का निर्माण

(ख) दृढ़ संकल्प

(ग) अशुभ कर्म और निंदा

(घ) पतन का रास्ता

उत्तर संकेत

(i) (क)

(ii) (ग)

(iii)(ख)

(iv)(ग)

(v) (क)

अपठित काव्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए - (1×5=5 अंक)

और पैरों के तले है एक पोखर
उठ रही है इसमें लहरियाँ,
नील जल में जो उगी है घास भूरी,
ले रही वह भी लहरियाँ।
एक चाँदी का बड़ा-सा गोल संभा,
आँख को है चमकाता।
हैं कई पत्थर किनारे,
पी रहे चुपचाप पानी।
प्यास जाने कब बुझेगी,
चुप खड़ा बगुला,
डुबाए टाँग जल में,
देखते ही मीन चंचल-
ध्यान-निद्रा त्यागता है,
चट दबाकर चोंच में-
नीचे गले के डालता है।

(i) पोखर की घास लहरियाँ लेती हुई क्यों प्रतीत हो रही थी?

(क) हवा के चलने से (ख) पानी में लहरें उठने के कारण

(ग) नीले जल के तेज गति से चलने पर (घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) 'आँख' शब्द का पर्याय नहीं है-

(क) नेत्र (ख) नयन

(ग) चक्षुष (घ) लोचन

(iii) चंद्रमा के प्रतिबिंब का चित्रण किस प्रकार किया गया है?

(क) चाँदी का बड़ा-सा गोल संभा (ख) आँख को चमकाने वाला

(ग) गोलाकार रूप में (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) उपरोक्त काव्यांश में कवि का तात्पर्य चंचल एवं ध्यान निद्रा में मग्न किन-किन से है?

(क) पोखर और पत्थर (ख) पोखर और मीन

(ग) पत्थर और बगुला (घ) मीन और बगुला

(v) कौन-सा भिन्न है?

(क) मीन (ख) मछली

(ग) मत्स्य (घ) मकर

उत्तर संकेत

(i) (ख)

(ii) (ग)

(iii)(क)

(iv)(घ)

(v) (घ)

व्यावहारिक व्याकरण

खंड ख

प्रश्न 1: (क) निम्नलिखित रेखांकित पदबंधों के प्रकार बताइए- 1×2=2

(i) कभी असत्य न बोलने वाले व्यक्ति देश के गौरव होते हैं।

(ii) सूर्य डूबता जा रहा था।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए- 1×3=3

(i) मनीष दसवीं कक्षा में पढ़ता है।

(ii) वह पुस्तक पढ़ती है।

(iii) राधिका जल्दी चली गई।

प्रश्न 2: (क) रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए- 1

गीता में कहा गया है कि कर्म पर मनुष्य का अधिकार है।

(ख) निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए- 1 x 2 = 2

(i) सोने की चिड़िया कहलाने वाला यह वही भारत है। (मिश्र वाक्य में)

(ii) मुझे चेन्नई जाना था। सवेरे उठ़ना पड़ा। (संयुक्त वाक्य में)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए- 1×3=3

(i) उसकी आँखों से आँसू बह रहा है।

(ii) जैसा करोगे, उतना भरोगे।

(iii) महादेवी वर्मा बड़ी अच्छी कवयित्री थी।

प्रश्न 3: (क) निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए- 1 x 2 = 2

परीक्षार्थी, अत्याचार

(ख) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए- ½ x 2 = 1

रमा+ईश, नर+उत्तम

प्रश्न 4: (क) समास-विग्रह कर समास का नाम लिखिए- ½ x 2 = 1

प्रयोगशाला

(ख) समस्त-पद बनाकर समास का नाम लिखिए- ½ x 2 = 1

नीला है जो अंबर

प्रश्न 5 : निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों के वाक्य में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए- 1×4=4

(i) गाँठ बाँध लेना,

(ii) दीवार खड़ी करना

(iii) हवा में उड़ना

(iv) दीवार हमगोश दारद, तन्हाई

उत्तर संकेत

प्रश्न 1.

क. (i) संज्ञा

(ii) क्रिया

ख. (i) क्रम सूचक, संख्या वाचक विशेषण, एक वचन, स्त्रिलिंग, 'कक्षा' का विशेष्य का विशेषण

(ii) सर्वनाम, पुरुषवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग कर्त्ताकारक

(iii) क्रिया विशेषण, रीति वाचक, 'चली गई' क्रिया का विशेषण

प्रश्न 2.

(क) मिश्र वाक्य

(ख) (i) यह वही भारत है जो सोने की चिड़िया कहलाता था ।

(ii) मुझे चेन्नई जाना था इसलिए सवेरे उठना पड़ा ।

(ग) (i) उसकी आँखों से आँसू बह रहे हैं।

(ii) जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

(iii) महादेवी वर्मा अच्छी कवयित्री थी।

प्रश्न 3.

(क) परीक्षा + अर्थी , अति + आचार

(ख) रमेश, नरोत्तम

प्रश्न 4.

(क) प्रयोग के लिए शाला, तत्पुरुष

(ख) नीलाम्बर, कर्मधारय

प्रश्न 5.

उचित वाक्य पर अंक दें।

खंड – 'ग'

अपठित काव्यांश

प्रश्न 1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5 अंक)

जयमाला, छापैं, तिलक सरै न एकौ कामु।
मन-कांचै नाचै बृथा, साँचै राँचै रामु।।

(i) प्रस्तुत दोहे में किस-किस बाहरी आडंबर पर चोट की गई है।

(क) माला जपना (ख) शरीर पर छापे वाले वस्त्र धारण करना

(ग) माथे पर तिलक लगाना (घ) उपरोक्त सभी

(ii) ईश्वर कहाँ रहते है?

(क) सच्चे हृदय से ईश्वर भक्ति में रमने वालों में

(ख) छल-कपट का व्यवहार करने वालों में

(ग) सरल हृदय वाले मनुष्य में

(घ) भक्ति का दिखावा करने वाले मनुष्य में

(iii) 'मन-काँचै' का तात्पर्य है-

(क) मन में घाव होना (ख) काँच पर मोहित होना

(ग) डाँवाडोल मन (घ) मन में कच्चापन होना

(iv) 'सरै न एकौ कामु' का आशय क्या है?

(क) एक भी काम नहीं बनता (ख) एक काम नहीं करता

(ग) मन प्रसन्न नहीं होता (घ) भगवान नहीं मिलते

(v) दोहा किस भाषा में लिखा गया है?

(क) अवधी भाषा (ख) मैथिली भाषा

(ग) ब्रज भाषा (घ) खड़ी बोली हिंदी

अथवा

जलते नभ में देख असंख्यक,
स्नेहहीन नित कितने दीपक;
जलमय सागर का उर जलता,
विद्युत ले घिरता है बादल!
विहँस विहँस में दीपक जल!

(i) असंख्य का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(क) भावों के लिए (ख) लोगों के लिए

(ग) दीयों के लिए (घ) तारों के लिए

(ii) 'स्नेहहीन दीपक' से क्या आशय है?

(क) प्रेमहीन बच्चे (ख) भक्ति शून्य प्राणी

(ग) भूखे जन (घ) गरीब बच्चे

(iii) 'जलमय सागर का हृदय जलने' से क्या अभिप्राय है?

(क) भक्तों से ईर्ष्या करना (ख) प्रभु भक्ति में रहना

(ग) प्रभु भक्ति में लीन रहना (घ) भक्तों की समृद्धि देखकर ईर्ष्या करना

(iv) कवयित्री ने तारों को स्नेहहीन क्यों कहा है?

(क) क्योंकि वे किसी से प्रेम नहीं करते

(ख) क्योंकि वे किसी से प्रेम करना नहीं चाहते

(ग) क्योंकि उनके जीवन का कोई लक्ष्य नहीं

(घ) क्योंकि उसके हृदय में असीम से मिलने की आकांक्षा नहीं

(v) कवयित्री दीपक को विहँस विहँस कर जलने को क्यों कहती है?

(क) वह संसार के सुखों में लीन रहना चाहती है

(ख) वह प्रभु की भक्ति करना चाहती है

(ग) वह प्रभु को प्रसन्न रखना चाहती है

(घ) वह जीवन को खुशी से जीना चाहती है।

उत्तर संकेत

(i) घ
(ii) ग
(iii) घ
(iv) क
(v) ग

अथवा

(i) घ
(ii) ख
(iii) घ
(iv) घ
(v) घ

(पठित गद्य) स्पर्श

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 5 अंक

ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।

(क) आपके विचार से किस दूरी ने संसार को काफ़ी बदल दिया है?

(ख) वर्सोवा में जहाँ आज लेखक का घर है, पहले वहाँ क्या था? अब क्या है?

(ग) मनुष्य ने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया? आप होते तो क्या करते?

उत्तर संकेत

(क) वैज्ञानिक उपकरणों की तरक्की से और लोगों के मन में स्वार्थ की भावना में दूरी बनाकर संसार को काफी बदल दिया है।

(ख) समुद्र, पेड़-पौधे, घोंसले, बड़ी-बड़ी इमारतें ।

(ग) व्यक्ति की इच्छाएं पूरी करनी जरूरी है उसके लिए यदि हम वृक्ष काटते है तो हम साथ ही साथ हमारा लक्ष्य होता कि हम नए-नए लगाते और उनकी देखभाल करते ताकि पक्षियों को रहने का बसेरा मिलता ।

स्पर्श (गद्य)

लघु उत्तरीय प्रश्न

3+3= 6 अंक

प्रश्न 1. तीन में से कोई दो-

(i) सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का उद्देश्य था? कारतूस पाठ के आधार प्र लिखिए।

(ii) 'झेन की देन' पाठ के आधार प्र बताइए कि जापानी लोगों को मानसिक बीमारियाँ अधिक क्यों होती हैं?

(iii) 'गिरगिट' कहानी में समाज की किन विसंगतियों की ओर ध्यान दिलाया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 2. चार में से तीन **3+3+3 =9**

(i) . 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री को आकाश के तारे स्नेहहीन से क्यों प्रतीत होते हैं?

(ii) . 'आत्मत्राण' - कया कवि की यह प्रार्थना आपको अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है? यदि हाँ, तो कैसे?

(iii) . 'कर चले हम फ़िदा' कविता में सैनिकों के माध्यम से देश का सम्मान बढ़ाने के लिए कवि ने क्या संदेश दिया है?

(iv) . कवि मैथिलीशरण गुप्त ने 'मनुष्यता' कविता में सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है?

संचयन **3+3=6**

प्रश्न 3. तीन में से दो प्रश्न

(i). पाठ 'सपनों के - से दिन' के आधार पर हेडमास्टर साहब की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii). इफ़्फन 'टोपी शुक्ला' कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है?

(iii). आप कौन से ऐसे नियम-कायदों को अपनाएँगे, जिससे अभिभावकों को आपके खेल पर आपत्ति न हो?

उत्तर संकेत

प्रश्न 1. (i) सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का मक़सद था – अवध की धन संपत्ति पर अपना अधिकार करना। वह अंग्रेजो का मित्र था और ऐशो–आराम वाली जिंदगी पसंद करता था। उसने आधी संपति और दस लाख रुपये कर्नल को देकर उसके स्वार्थ सिद्ध करने के षड्यंत्र को सफल बना दिया। अब उसे सहादत अली से किसी प्रकार का खतरा नहीं था ।

(ii) वहाँ के लोंगो के जीवन की रफ्तार बढ गई है हर आदमी अमरीका से प्रतिस्पर्धा कर रहा है लोग चलने की जगह भागने लगे है। दिमाग की रफ्तार तेज रहने लगी है। भाग–दौड़ में सबसे आगे निकलने की चाह से तनाव बढ़ जाता है।

(iii) लेखक ने समाज की कानून व्यवस्था पर व्यंग्य किया लेखक ने बताया है कि शासन व्यवस्था चापलूसों और भाई–भतीजा बाद के समर्थक अधिकारियों के भरोसे चल रही है। चापलूस अधिकारी परिस्थिति के अनुसार अपना व्यवहार बदल लेते है। समाज ने उच्च वर्ग वालों का दबदबा है उन्हीं का आदेश चलता है। चापलूस और रिश्वतखोर लोग लगातार तरक्की कर रहे हैं और साधारण आदमी पिस रहा है।

प्रश्न 2.

(i) इसलिए क्योंकि वे किसी से प्रेम नहीं करते। आकाश में अनगिनत तारे होते हैं पर वे प्रकाश नहीं फैलाते ठीक इसी तरह संसार में अनगिनत मनुष्य है परंतु उनके मन में दया प्रेम करूणा आदि के भाव नहीं है।

(ii) साधारण व्यक्ति ईश्वर से हमेशा अपनी इच्छाओं की पूर्ति की प्रार्थना करता है वह सदा दुखों से बचना चाहता है और ईश्वर से सुख की कामना करता है पर इस कविता में कवि ने दुखों से बचने की प्रार्थना नहीं की न ही सुख की कामना की ईश्वर से सदा शक्ति मांगी ताकि दुखों को सहन कर सके और सदा ईश्वर पर आस्था बनी रहे।

(iii) कवि ने संदेश दिया है कि देश की रक्षा करना हमारा सबसे बड़ा कर्त्तव्य है। देश की रक्षा में यदि जान भी चली जाए तो कोई गम नहीं शत्रुओं को हमेशा मजा चखाना है ताकि वे हमारे देश पर बुरी नजर न डाले

(iv) इससे आपसी मेल भाव बढ़ता है तथा हमारे सभी कार्य सफल हो जाते है जीवन मार्ग में आने वाली हर बाधाओं पर विजय प्राप्त कर लेते है। सबका कल्याण होता है प्रेम और भाईचारा बढ़ता है मनुष्यता को बल मिलता है

प्रश्न 3.

(i) स्वभाव से कोमल, बच्चों के लिए सद्भाव और दया, बच्चों को प्यार से पढ़ाने वाले शारीरिक एवं मानसिक याताना के विरोधी

(ii) कथानायक टोपी शुक्ला की पहली दोस्ती इफ्फन के साथ होई दूसरे धर्म का होते हुए भी टोपी शुक्ला का घनिष्ठ मित्र इसक बिना टोपी शुक्ला की कहानी अधूरी लगेगी। दोनों की घरेलू परंपरा अलग होने पर भी कोई उन्हें रोक न सका ।

(iii) समय पर पढ़ना, अपना गृह कार्य समय पर पूरा कर लेना, परीक्षा के दिनों खेलने की अपेक्षा पढ़ाई पर अधिक ध्यान, देना खेल-कूद करते समय लड़ाई झगड़ा न करना तथा हार-जीत का सहज स्वीकार करना ।

स्पर्श (गद्य)

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

5 अंक

प्रश्न 1. प्रकृति में असंतुलन का क्या परिणाम हुआ है? 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

अथवा

अपने जीवन की किसी ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जब-

(क) शुद्ध आदर्श से आपको हानि-लाभ हुआ हो।

(ख) शुद्ध आदर्श में व्यावहारिकता का पुट देने से लाभ हुआ हो।

संचयन **6 अंक**

प्रश्न 2.

बचपन की यादें मन को गुदगुदाने वाली होती हैं, विशेषकर स्कूली दिनों की। अपने अब तक के स्कूली जीवन की एक खट्टी तथा एक मीठी याद को लिखिए।

अथवा

टोपी और इफ़्फन की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। - इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।

उत्तर संकेत

प्रश्न 1.

मनुष्य ने अपनी बुद्धि के बल पर संसार के अन्य प्राणियों का अधिकार छीन लिया है। लेकिन इससे प्रकृति में असंतुलन हो गया है। मौसम अनिश्चित हो गया। गर्मी में ज्यादा गर्मी, वर्षा के समय, वर्षा न होना, तुफान, भूकंप, बाढ़ नए-नए रोगों को प्रकोप बढ़ गया है। **5 अंक**

अथवा

विद्यार्थी अपने अनुभव एवं विचारों के आधार पर उत्तर देंगे।

प्रश्न 2. **6 अंक**

विद्यार्थी अपने अनुभव एवं विचारों के आधार पर उत्तर देंगे।

अथवा

विद्यार्थी अपने अनुभव एवं विचारों के आधार पर उत्तर देंगे।

पठित गद्य से मूल्यपरक प्रश्न (पूरक पुस्तक)

प्रश्न. 'टोपी शुक्ला' पाठ को स्मरण कर, उत्तर दीजिए। 2 x 2 = 4 अंक

(क) टोपी के द्वारा 'अम्मी' शब्द के इस्तेमाल पर कुछ लोग चौंके। किसी भाषा को किसी धर्म के साथ जोड़ना सही नहीं है – इस पर अपने विचार लिखें।

(ख) कक्षा में फेल होने वाले छात्र पर अध्यापक और विद्यार्थियों के द्वारा व्यंग्य करना क्यों ठीक नहीं है?

उत्तर आकलन बिन्दु :

(क) सभी धर्म – मानवीयता के विकास धर्म एंव भाषा मानवीयता, के विकास से जुड़े है। फिर भी धर्म – सार्वभौमिक होना चाहिए। भाषा संचार / अभिव्यक्ति का माध्यम के है परन्तु देश काल के अनुसार भिन्न हो सकती है।

इसके दायरे को संकुचित करना, दोनों के स्वरुप के प्रतिकूल है।

(ख) शिक्षा का उद्देश्य छात्रों के समूचे विकास से जुड़ा है।

अन्य छात्रों एवं अध्यापक का दायित्व उसके विकास में सहायक होना है, न कि बाधक।